भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 323

बुधवार, 6 दिसंबर, 2023 (15 अग्रहायण, 1945 (शक)) को उत्तरार्थ

राष्ट्रीय स्तर की राज्य सहकारी समितियां

323 श्री वि. विजयसाई रेड्डी :

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार जैविक उत्पादों के निर्यात, संवर्धन के लिए तीन राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्य सहकारी समितियां और बीजों के उत्पादन, खरीद और वितरण के लिए एक और सहकारी समिति स्थापित करने की योजना बना रही है;

(ख) क्या यह भी सच है कि एक ब्रांड के तहत बीजों का वितरण भी किया जाएगा;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) बीजों के उत्पादन, प्रापण और वितरण के लिए नई सहकारी समिति की स्थापना के बाद देश में मौजूदा बीज उत्पादक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का क्या कार्य होगा ?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क): जी हां मान्यवर, सहकारिता मंत्रालय ने निर्यात, जैविक उत्पाद और बीज के लिए तीन राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्य सहकारी समितियां स्थापित की हैं। इन समितियों को एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत किया गया है। सभी स्तरों की सहकारी समितियां, जो प्रत्येक समिति के लिए उपरोक्त निर्दिष्ट गतिविधियों में रुचि रखती हैं, सदस्य बनने के लिए पात्र हैं। इनका विवरण इस प्रकार है:

(1). **राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल)** : एनसीईएल को भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको), राष्ट्रीय कृषि सहकारी, मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड), गुजरात सहकारी दूध विपणन महासंघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) द्वारा संवर्धित किया गया है। एनसीईएल की प्रारंभिक चुकता पूंजी पांच प्रवर्तकों में से प्रत्येक द्वारा 100 करोड़ के योगदान के साथ रु. 500 करोड़ रुपये, और अधिकृत शेयर पूंजी रु 2,000 करोड़ है। एनसीईएल की स्थापना सहकारी समितियों और संबंधित संस्थाओं के वस्तुओं और सेवाओं के सीधे निर्यात और अन्य संवर्धन गतिविधियों को करने के लिए की गई है। एनसीईएल सहकारी क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को बढ़ाने में मदद करेगा जिससे "मेक इन इंडिया" को बढ़ावा मिलेगा। एनसीईएल के माध्यम द्वारा अधिक निर्यात से विभिन्न स्तरों पर सहकारी समितियों के वस्तुओं और सेवाओं के बाजार से जुड़ाव में वृद्धि होगी जिससे सहकारी क्षेत्र में अधिक रोजगार का सृजन होगा।

एनसीईएल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अब तक उन्हें सदस्यता के लिए 22 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से विभिन्न वर्गों के तहत कुल 2,625 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

(2). **नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल)** : एनसीओएल को एनडीडीबी, जीसीएमएमएफ, एनएफईडी, नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) और एनसीडीसी द्वारा संवर्धित किया गया है। एनसीओएल की प्रारंभिक चुकता पूंजी पांच प्रवर्तकों में से प्रत्येक द्वारा 20 करोड़ के योगदान के साथ रु. 100 करोड़ रुपये और अधिकृत शेयर पूंजी रु 500 करोड़ है। एनसीओएल की स्थापना जैविक उत्पादों के एकत्रीकरण, प्रमाणीकरण, परीक्षण, खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, लेबलिंग, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक सुविधाओं, विपणन के लिए संस्थागत सहायता प्रदान करने और अपने सदस्य सहकारी समितियों के साथ पैक्स/एफपीओ के माध्यम से जैविक किसानों को वित्तीय सहायता की व्यवस्था करने में सुविधा प्रदान करने के साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं और एजेंसियों की मदद से जैविक उत्पादों के प्रचार और विकासात्मक गतिविधियों के संवर्धन के लिए की गई है। एनसीओएल विभिन्न स्तरों पर सहकारी समितियों द्वारा जैविक उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रामाणिक और प्रमाणित जैविक उत्पादों के विपणन में मदद करेगा। एनसीओएल द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, अब तक उन्हें सदस्यता के लिए 24 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से विभिन्न वर्गों के तहत कुल 2,475 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

(3). **भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल)** : बीबीएसएसएल को इफको, कृभको, नेफेड, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और एनसीडीसी द्वारा संवर्धित किया गया है। बीबीएसएसएल की प्रारंभिक चुकता पूंजी पांच प्रवर्तकों में से प्रत्येक द्वारा 50 करोड़ के योगदान के साथ रु. 250 करोड़ रुपये और अधिकृत शेयर पूंजी रु 500 करोड़ है। बीबीएसएसएल की स्थापना फसल की पैदावार में सुधार करने और स्वदेशी प्राकृतिक बीजों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए सहकारी नेटवर्क के माध्यम से एकल ब्रांड के तहत गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन, खरीद और वितरण के लिए की गई है। बीबीएसएसएल सहकारी समितियों के माध्यम से भारत में गुणवत्ता वाले बीजों का उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा, जिससे आयातित बीजों पर निर्भरता कम होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा "मेक इन इंडिया" और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा मिलेगा। बीबीएसएसएल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन से देश में कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी जिससे कृषि और सहकारी क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा होंगे। बीबीएसएसएल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अब तक उन्हें सदस्यता के लिए 27 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से विभिन्न वर्गों के तहत कुल 8,200 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

(ख) से (ग): जैसा कि ऊपर (क)(3) के उत्तर में कहा गया है, भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) सहकारी समितियों के नेटवर्क के साथ-साथ अन्य विपणन चैनलों के माध्यम से एकल ब्रांड के तहत गुणवत्ता वाले बीज वितरित करेगी।

(घ): बीबीएसएसएल गुणवत्ता वाले बीज के उत्पादन, खरीद और वितरण के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने और आयातित बीजों पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए सभी मौजूदा सार्वजनिक और सहकारी क्षेत्र की बीज कंपनियों के साथ निकट समन्वय में काम करेगा।